एहसान | By Hari Sharma

एहसान तेरे प्रभु चूका ना सकूँ
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

क्या थी मेरी ज़िंदगानी सुख चैन भी खो गया था
सोइ हुई थी किस्मत भी मेरी दिल भी ये मेरा खुद रो रहा था
तुमको तो ये सब है पता तुमसे क्या है बाबा छिपा
कितना साथ दिया मैं बता ना सकूँ
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

लायक नहीं था मैं फिर भी लायक तुम्ही ने बनाया
गलती की माफ़ी देकर के मुझको चरणों में अपने बिठाया
किस्से तेरी दया के प्रभु सबको ही मैं सुनाता रहूं
कैसे संभाला मुझे मैं बता ना सकूँ
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

सपने किये मेरे पूरे ना कोई अब तो कमी है
कर जोड़ के मोहित दर पे खड़ा है बस प्रार्थना अब मेरी यही है
भूल से भी ना भूलूँ तुम्हे माफ़ करना सदा तुम हमें
नाम दिल से मेरे तेरा मिटा ना सकूँ
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%b9%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-hari-sharma/